पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

श्री राज्यपाल द्वारा भरतनाट्यम के होनहार दो कलाकार सम्मानित
सम्मानित कलाकार सुश्री गायत्री प्रकाश एवं सौदामिनी शैल बेहद प्रसन्न

लखनऊः 28 दिसम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने रविवार को गन्ना संस्थान के सभागार में सृजन संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भरतनाट्यम नृत्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए 15 वर्षीय नृत्य कलाकार सुश्री गायत्री प्रकाश एवं 13 वर्षीय सुश्री सौदामिनी शैल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने भरतनाट्यम नृत्य की दोनों कलाकारों को आगामी मार्च माह-2016 में दिल्ली में आयोजित होने वाले वल्र्ड कल्चरल फेस्टिवल में भरतनाट्यम नृत्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा जीवन में सफलता के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होने के लिए आर्शीवाद भी दिया। श्री राज्यपाल से सम्मान पाकर भरतनाट्यम नृत्य की दोनों होनहार कलाकार बेहद प्रसन्न हैं। उनकी गुरू कलाश्री पल्लवी त्रिवेदी एवं उनके माता-पिता एवं शुभचिंतकों तथा अन्य सभी कलाकारों में भी हर्ष की लहर व्याप्त है।

विदित हो कि सृजन संस्था की संस्थापिका एवं कलाश्री श्रीमती पल्लवी त्रिवेदी जिन्होंने भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय से संगीत की उच्च शिक्षा प्राप्त की है, लखनऊ में भरतनाट्यम इंस्टीट्यूट के माध्यम से छात्राओं को भरतनाट्य नृत्य सिखाने का काम बखूबी कर रही हैं। कलाश्री श्रीमती पल्लवी त्रिवेदी ने अपनी दोनों होनहार शिष्याओं सुश्री गायत्री प्रकाश एवं सौदामिनी शैल को भरतनाट्यम नृत्य में प्रशिक्षित करके पारंगत किया है। श्री राज्यपाल द्वारा सम्मानित दोनों कलाकार वर्ष 2016 मार्च माह में दिल्ली में आयोजित होने वाले वल्र्ड कल्चरल फेस्टिवल में भरतनाट्यम की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति एवं अभिनय प्रदर्शन हेतु अत्यन्त प्रफुल्लित हैं।

विदित हो कि भरतनाट्यम नृत्य की उत्कृष्ट कलाकार सुश्री गायत्री प्रकाश लारेटो कान्वेंट कालेज, लखनऊ की कक्षा-9 की होनहार छात्रा है। माँ श्रीमती तनु एवं पिता श्री दीप प्रकाश ने गायत्री प्रकाश को 5 वर्ष की आयु से नृत्य कला के प्रति प्रेरित किया। भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय में संगीत/कला की शिक्षा ग्रहण की और भरतनाट्यम में विशारद की उपाधि अर्जित की है।

श्री राज्यपाल द्वारा सम्मानित 13 वर्षीय सुश्री सौदामिनी शैल क्राईस्ट चर्च कालेज, लखनऊ की कक्षा-8 की होनहार छात्रा हैं। 6 वर्ष की आयु से ही उसका भरतनाट्यम नृत्य के प्रति रूझान देखकर उनके माता-पिता ने भारतखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय में नृत्य सीखने के लिए भेजा। उनकी हिन्दी अध्यापिका सुश्री छायापाल ने नृत्यकला को निखारने में बड़ा सहयोग दिया है। सुश्री सौदामिनी शैल ने भी भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय, लखनऊ से भरतनाट्यम में विशारद की उपाधि प्राप्त की है। सुश्री सौदामिनी शैल के पिता श्री प्रभात कुमार श्रीवास्तव एवं माँ श्रीमती रचना शैल ने अपनी पुत्री की प्रतिभा को निखारने में सदैव उसका उत्साहवर्धन किया है। भरतनाट्यम नृत्य में सुश्री सौदामिनी शैल को पारंगत एवं प्रशिक्षित करने में भी सृजन संस्था की संस्थापिका कलाश्री श्रीमती पल्लवी त्रिवेदी का सराहनीय योगदान है। सुश्री सौदामिनी शैल कुशल तैराक होने के साथ अच्छी कवितायें भी लिखती हैं।

भरतनाट्यम नृत्य की होनहार दोनों कलाकारों सुश्री गायत्री प्रकाश एवं सौदामिनी शैल को भरतनाट्यम कला तथा विभिन्न नृत्य अभिनय की कलाओं - आरेन्गेट्रम, पुष्पांजलि, अलारिप्पू, जतीस्वरम्, वर्णनम्, शब्दम्, देवी स्तुति, मंगलम्, अयंगिरी नन्दिनी, शिव स्तुति, थिल्लाना नृत्य का प्रशिक्षण देकर उन्हें निपुण बनाने में कलाश्री पल्लवी त्रिवेदी ने बड़ा योगदान दिया है।

---

srijan
Nrityalaya
Welcomes you to the
Arangetram